PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________________

   (Name) ______________________________

2. (Signature) ______________________________

   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

D 7 3 1 2

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12** | Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS
प्रश्नपत्रम् – III
प्रश्नपत्र – III
Paper – III

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति: (75)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. कालविज्ञापकं शास्त्रमस्ति ।
कालविज्ञापक शास्त्र है ।
कालविज्ञापक शास्त्र is –
(A) वेदान्त:।
(B) भूगोलम् ।
(C) पुराणम् ।
(D) ज्यौतिषम् ।

2. बृहत्संहिताया: लेखकोऽस्ति ।
बृहत्संहिता के लेखक हैं ।
The author of the बृहत्संहिता is –
(A) कमलाकर: ।
(B) गणेशदैवज्ञ: ।
(C) वराहमिहिर: ।
(D) भोजदेव: ।

3. भौम: सूर्यं …यावत् परिक्रमते ।
भौम सूर्य का …तक प्ररिक्रमण करता है ।
भौम moves around सूर्य for… ।
(A) त्रिंशत् दिनानि ।
(B) चत्वारिंशत् दिनानि ।
(C) पञ्चचत्वारिंशत् दिनानि
(D) सार्द्ध एक वर्षम्

4. पारस्करगृह्यसूत्रानुसारेण निष्क्रमणसंस्कार: … मासे भवति
पारस्कर गृह्यसूत्रानुसार निष्क्रमणसंस्कार….मास में होता है ।
According to पारस्करगृह्यसूत्र, the निष्क्रमणसंस्कार takes place in the month
(A) पञ्चमे ।
(B) चतुर्थे ।
(C) तृतीये ।
(D) प्रथमे ।

5. नक्षत्राणि सन्ति ।
नक्षत्र हैं ।
The number of नक्षत्रs is –
(A) पञ्चविंशति: ।
(B) षड्विंशति: ।
(C) सप्तविंशति: ।
(D) नवविंशति: ।

6. राशि: भवति ।
राशि होती है ।
One राशि is equal to –
(A) एकनक्षत्रस्य ।
(B) नक्षत्रद्वयस्य ।
(C) नक्षत्रत्रयस्य ।
(D) सपादनक्षत्रद्वयस्य ।

7. पूर्वरूप विधायकं सूत्रमस्ति –
पूर्वरूप विधायक सूत्र है –
The सूत्र enjoining पूर्वरूप is –
(A) उपसर्जनं पूर्मम् ।
(B) एङः पदान्तादति ।
(C) आतोरोरप्लुतादप्लुते ।
(D) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।

8. उत्तरपदार्थप्रधानः … ।
उत्तरपदार्थप्रधान है … ।
उत्तरपदार्थप्रधान is the….. compound.
(A) अव्ययीभावः ।
(B) बहुव्रीहिः ।
(C) द्वन्द्वः ।
(D) तत्पुरुषः ।

9. द्विकर्मकधातुभिर्योगे … स्यात् ।
द्विकर्मकधातु के योग में … होती है ।
In association of द्विकर्मक धातु there occurs _______ .
(A) द्वितीया ।
(B) तृतीया ।
(C) चतुर्थी ।
(D) पञ्चमी ।

10. "एकाश्रम्यं त्वाचार्याः" – इत्युक्तिरस्ति ।
"एकाश्रम्यं त्वाचार्याः" – यह उक्ति है ।
"एकाश्रम्यं त्वाचार्याः" – is the statement.
(A) मनोः ।
(B) गौतमस्य ।
(C) बौधायनस्य ।
(D) विज्ञानेश्वरस्य ।

11. क्षत्रियस्य मरणाशौचं भवति –
क्षत्रिय का मरणाशौच होता है –
मरणाशौच of क्षत्रिय is for –
(A) दशदिनानि ।
(B) एकादशदिनानि ।
(C) चतुर्दशदिनानि ।
(D) द्वादशदिनानि ।

12. पूर्वमीमांसायां भावनाऽस्ति –
पूर्वमीमांसा में भावना है –
भावना in पूर्वमीमांसा is –
(A) संस्कारविशेषः ।
(B) व्यापारविशेषः ।
(C) चिन्ताविशेषः ।
(D) प्रतिज्ञाविशेषः ।

13. न्यायनये द्रव्याणि भवन्ति –
न्यायदर्शन में द्रव्य होते हैं –
द्रव्यs according न्यायदर्शन are –
(A) पञ्चविंशति ।
(B) सप्त ।
(C) नव ।
(D) अष्टौ ।

14. पञ्चविंशति-तत्त्वानि भवन्ति ।
पच्चीस तत्त्व होते हैं ।
Twenty-five तत्त्वs are accepted in –
(A) वेदान्ते ।
(B) बौद्धे।
(C) सांख्ये ।
(D) मीमांसायाम् ।

15. न्यायदर्शने प्रमाणानि सन्ति ।

न्यायदर्शन में प्रमाण होते हैं ।

प्रमाणs according to न्यायदर्शन are –

(A) त्रीणि ।

(B) चत्वारि ।

(C) पञ्च ।

(D) अष्ट ।

16. मत्स्यपुराणे दुर्गसंख्या वर्तते ।

मत्स्यपुराण में दुर्ग की संख्या होती है ।

According to मत्स्यपुराण the number of दुर्गs is –

(A) पञ्च ।

(B) नव ।

(C) षट् ।

(D) एकादश ।

17. वायुपुराणे महाद्वीपा: सन्ति ।

वायुपुराण में महाद्वीप हैं –

According to वायुपुराण, महाद्वीपs are –

(A) पञ्च ।

(B) नव ।

(C) चत्वार: ।

(D) षड् ।

18. तन्त्रसारे मुद्रासंख्या वर्तते ।

तन्त्रसार में मुद्राओं की संख्या है ।

The number of मुद्राs according to तन्त्रसार, is –

(A) दश ।

(B) एकादश ।

(C) षोडश ।

(D) सप्तदश ।

19. ऋग्वेदव्याख्यानकारो भवति ।

ऋग्वेद के व्याख्याकार हैं ।

The commentator on the Ṛigveda is –

(A) वाचस्पतिमिश्र: ।

(B) भट्टभास्कर: ।

(C) मध्वाचार्य: ।

(D) शङ्कराचार्य: ।

20. अन्तरिक्षस्थानदेवता अस्ति ।

अन्तरिक्षस्थान देवता है ।

The atmospheric god is –

(A) अग्नि: ।

(B) इन्द्र: ।

(C) वरुण: ।

(D) सोम: ।

21. तैत्तिरीयसंहिताया: नामान्तरमास्ति ।

तैत्तिरीय संहिता का अन्य नाम है ।

Another name of the तैत्तिरीयसंहिता is –

(A) कृष्णयजुर्वेद: ।

(B) माध्यन्दिनसंहिता ।

(C) काण्वसंहिता ।

(D) अथर्वसंहिता ।

22. "इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावलि: काव्यम्" इति काव्यलक्षणम् –

"इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावलि: काव्यम्" यह काव्य लक्षण है –

"इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावलि: काव्यम्" – this definition of काव्य is –

(A) भामहस्य ।

(B) दण्डिन: ।

(C) मम्मटस्य ।

(D) विश्वनाथस्य ।

23. “अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता”.... भवति ।

“अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता”...होती है ।

“अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता” occurs... ।

(A) शाब्दीव्यञ्जनायाम् ।

(B) आर्थीव्यञ्जनायाम् ।

(C) गूढव्यञ्जनायाम् ।

(D) अगूढव्यञ्जनायाम् ।

24. “कार्यकारणयोर्भिन्नदेशतायाम्”...अलङ्कारो भवति ।

कार्यकारणयोर्भिन्नदेशतायाम्”...अलंङ्कार होता है ।

“कार्यकारणयोर्भिन्नदेशतायाम्”...becomes the अलङ्कार ।

(A) कारणमाला ।

(B) विभावना ।

(C) विशेषोक्ति: ।

(D) असङ्गति: ।

25. जैनबौद्धयो: समानतत्त्वमस्ति ।

जैन और बौद्धों में समान तत्त्व होता है ।

The common principle between जैन and बौद्ध is –

(A) जगन्मिथ्यात्वम् ।

(B) ईश्वरास्तित्वाभाव: ।

(C) प्रत्यक्षप्रामाण्यम् ।

(D) सत्तात्रैविध्यम् ।

26. “अनुमानप्रमाणेन ईश्वरसिद्धिर्भवति” – इति मतमस्ति ।

“अनुमान प्रमाण के द्वारा ईश्वर की सिद्धि होती है”– यह मत है ।

“ईश्वर established by अनुमानप्रमाण” - is the opinion –

(A) बौद्धानाम् ।

(B) जैनानाम् ।

(C) चार्वाकाणाम् ।

(D) नैयायिकानाम् ।

27. उपयोगितावादस्य प्रवर्तकोऽस्ति ।

उपयोगितावाद का प्रवर्तक है ।

The propounder of the उपयोगितावाद is –

(A) जे.एस मिल ।

(B) नीत्से ।

(C) जास्पर्स ।

(D) मार्शल ।

28. अविद्याऽस्ति ।

अविद्या है ।

अविद्या is –

(A) विद्याविरोधी ।

(B) विद्याभाव: ।

(C) विद्यासदृशी ।

(D) विद्याप्रागभाव: ।

29. अध्यास-भाष्यकारोऽस्ति ।

अध्यास - भाष्यकार हैं

अध्यास भाष्यकार is _______

(A) शंङ्कराचार्य: ।

(B) वल्लभाचार्य: ।

(C) रामानुजाचार्य: ।

(D) वाचस्पतिमिश्र: ।

30. भामतीकारोऽस्ति –

भामतीकार है –

भामतीकार is –

(A) गोविन्दभगवत्पदाचार्यः ।

(B) पद्मपादाचार्यः ।

(C) वाचस्पतिमिश्रः ।

(D) सदानन्दः ।

31. सूर्यः परमनीचस्थो _______ भवति ।

सूर्य परमनीचस्थ _______ होता है ।

सूर्य becomes परमनीचस्थ in _________ ।

(A) मेषराशौ दशमे अंशे ।

(B) वृषभराशौ पञ्चमे अंशे ।

(C) तुलाराशौ दशमे अंशे ।

(D) कर्कराशौ नवमे अंशे ।

32. _______ जलराशिः वर्तते ।

_______ जलराशि है ।

______ is called जलराशि ।

(A) मेषः ।

(B) वृषभः ।

(C) मिथुनम् ।

(D) कर्कः ।

33. कालपुरुषस्यात्मास्ति _______ ।

कालपुरुष का आत्मा है _______ ।

आत्मा of कालपुरुष is ________ ।

(A) सूर्यः ।

(B) चन्द्रमा ।

(C) बुधः ।

(D) बृहस्पतिः ।

34. राहोः उच्चराशिरस्ति ।

राहु का उच्चराशि है ।

उच्चराशि of राहु is ______ ।

(A) मेषः ।

(B) वृषभः ।

(C) कर्कः ।

(D) सिंहः ।

35. _______ क्षत्रिय राशिरस्ति ।

_______ क्षत्रिय राशि है ।

_______ is called क्षत्रियराशि ।

(A) मेषराशिः ।

(B) वृषभराशिः ।

(C) मिथुनराशिः ।

(D) कर्कराशिः ।

36. कालपुरुषस्य मनः ________ वर्तते ।

कालपुरुष का मन ________ है ।

मन of कालपुरुष is _________ ।

(A) शुक्रः ।

(B) चन्द्रः ।

(C) भानुः ।

(D) बुधः ।

37. अर्थभावेन विवर्तते…

अर्थभाव से विवर्तित होता है ।

…. is modified by means of अर्थभाव ।

(A) जगत् ।

(B) शब्दब्रह्म ।

(C) ध्वनिः ।

(D) वैखरी ।

38. व्यङ्ग्यत्वविशिष्टार्थबोधजनकं _______ भवति ।

व्यङ्ग्यत्वविशिष्टार्थबोध का जनक _______ होता है ।

व्यङ्ग्यत्वविशिष्टार्थबोध causes _______ ।

(A) स्फोट: ।

(B) पश्यन्ती ।

(C) सम्बन्ध: ।

(D) पदम् ।

39. "औपगव:" इति पदं प्रत्ययान्तं भवति ।

"औपगव:" यह पद _______ प्रत्ययान्त है ।

The term "औपगव:" is _______ प्रत्ययान्त ।

(A) तद्धित ।

(B) कृत् ।

(C) सुप् ।

(D) तिप् ।

40. अपौरुषेया वेदा: भवन्ति _______ ।

अपौरुषेय वेद है _______ ।

अपौरुष वेदs are _______ ।

(A) अनित्या: ।

(B) ईश्वरकर्तृका: ।

(C) नित्या: ।

(D) व्यासनिर्मिता: ।

41. दर्शपूर्णमासस्तु _______ वर्तते ।

दर्शपूर्णमास _______ है ।

दर्शपूर्णमास is _______ ।

(A) श्रौतयाग: ।

(B) स्मार्तयाग: ।

(C) कल्पोक्तयाग: ।

(D) धर्मसूत्रोक्तयाग: ।

42. विनियोगविधे: सहकारिप्रमाणानि _______ सन्ति ।

विनियोगविधि के सहकारी प्रमाण _______ हैं ।

सहकारिप्रमाणs of विनियोगविधि is _______ ।

(A) अष्टौ ।

(B) षट् ।

(C) दश ।

(D) पञ्च ।

43. सुखसमवायिकारणं _______ अस्ति ।

सुखसमवायिकारण _______ है ।

_______ is सुखसमवायिकारण ।

(A) ईश्वर: ।

(B) पृथिवी ।

(C) मन: ।

(D) आत्मा ।

44. तद्वति-तत्प्रकारकत्वविशिष्टज्ञानत्वं भवति ।

तद्वति-तत्प्रकारकत्व विशिष्टज्ञानत्व होता है ।

तद्वति-तत्प्रकारकत्वविशिष्टज्ञानत्व is _______ ।

(A) प्रमाणत्वम् ।

(B) प्रमेयत्वम् ।

(C) प्रामाण्यम् ।

(D) प्रमातृत्वम् ।

45. 'घटो न पट' इति प्रतीतिसिद्ध: ।

'घटो न पट:' इस प्रतीति का विषय _______ है ।

The subject of the cognition of 'घटो न पट:' is _______ ।

(A) प्रागभाव: ।

(B) अन्योन्याभाव: ।

(C) प्रध्वंसाभाव: ।

(D) संसार्गाभाव: ।

46. त्रिगुणात्मकमचेतनं ______ भवति

त्रिगुणात्मक और अचेतन _______ होता है ।

त्रिगुणात्मक and अचेतन is ______ ।

(A) अज्ञानम् ।

(B) ज्ञानम् ।

(C) प्रधानम् ।

(D) प्रमाणम् ।

47. यमादयो भवन्ति _______ ।

यमादि _______ के अंग होते हैं ।

यम etc. are अंगs of ______ ।

(A) अपवर्गस्य ।

(B) तत्त्व ज्ञानस्य ।

(C) चित्तवृतिनिरोधस्य ।

(D) ध्यानस्य ।

48. त्रिविधं प्रमाणमिष्टम् _______ ।

त्रिविध प्रमाण अभीष्ट है _______ ।

Three types of प्रमाणs are held by _______ ।

(A) न्यायस्य ।

(B) योगस्य ।

(C) सांख्यस्य ।

(D) बौद्धस्य ।

49. परमाणुसिद्धान्तस्य प्रवर्तक: दर्शनकारोऽस्ति ।

परमाणु सिद्धान्त के प्रवर्तक दर्शनकार हैं ।

The propounder of the परमाणु सिद्धान्त is _______ ।

(A) बृहस्पति: ।

(B) कपिल: ।

(C) जैमिनि: ।

(D) कणाद: ।

50. परिणामवाद - विवर्तवादयो: समानतत्त्वमस्ति ।

परिणामवाद और विवर्तवाद में समान तत्त्व है ।

The same तत्त्व is held by परिणामवाद and विवर्तवाद ।

(A) जगत्सत्यत्वम् ।

(B) आत्मसत्यत्वम् ।

(C) देहात्मैक्यम् ।

(D) व्यक्तिस्वातन्त्र्यम् ।

51. जगन्मिथ्यात्वं सिद्धान्तितमनेन _______ ।

जगन्मिथ्यात्व सिद्धान्तित किया है _______ ।

जगन्मिथ्यात्व principle is established by _______ .

(A) विजयीन्द्रतीर्थ: ।

(B) वाचस्पतिमिश्रेण ।

(C) वल्लभाचार्येण ।

(D) मध्वाचार्येण ।

52. शुक्लयजुर्वेदस्य ब्राह्मणमस्ति _______ ।

शुक्लयजुर्वेद का ब्राह्मण ग्रन्थ है _______ ।

The Brāhmaṇa ग्रन्थ of शुक्लयजुर्वेद is ________ ।

(A) ताण्ड्यब्राह्मणम् ।

(B) शतपथब्राह्मणम् ।

(C) ऐतरेयब्राह्मणम् ।

(D) गोपथब्राह्मणम् ।

53. पाकयज्ञा: भवन्ति ।

पाकयज्ञ के प्रकार हैं ।

The types of पाकयज्ञ are _______ ।

(A) पञ्च ।

(B) चत्वार: ।

(C) षड् ।

(D) सप्त ।

54. बृहदारण्यकोपनिषद्भषति _______ ।

बृहदारण्यकोपनिषत् है ।

बृहदारण्यक उपनिषत् belongs to _______।

(A) अथर्ववेदस्य ।

(B) शुक्लयजुष: ।

(C) कृष्णयजुष: ।

(D) ऋग्वेदस्य ।

55. तन्त्रसारसङ्ग्रहस्य कर्ताऽस्ति ।

तन्त्रसारसंग्रह के कर्ता है ______ ।

The author of the तन्त्रसारसंग्रह is _____।

(A) अभिनवगुप्त: ।

(B) वाचस्पतिमित्र: ।

(C) मध्वाचार्य: ।

(D) सुदर्शनसूरि: ।

56. 'अविद्या मिथ्याज्ञाननिन्दा एव' इति _______ कथितम् ।

'अविद्या मिथ्याज्ञाननिन्दा एव' ______ कहा है ।

'अविद्या मिथ्याज्ञाननिन्दा एव' thus is said ______ ।

(A) रामानुजाचार्येण ।

(B) वीरराघवाचार्येण ।

(C) आनन्दतीर्थेन ।

(D) सायणाचार्येण ।

57. शिल्परचनाप्रकारं प्रदर्शितं वेदान्तिना ।

शिल्परचनाप्रकार का प्रदर्शन करने वाले वेदान्ती हैं ________ ।

A vedantin describing the disciplines of शिल्परचना, is ________

(A) श्रीनिवासदासेन ।

(B) पद्मपादाचार्येण ।

(C) मध्वाचार्येण ।

(D) वेदान्तदेशिकेन ।

58. मनुस्मृते: टीका सन्ति ।

मनुस्मृति की टीकाएँ हैं ।

The commentaries on the मनुस्मृति are ________ ।

(A) तिस्र: ।

(B) नव ।

(C) द्वादश ।

(D) त्रयोदश ।

59. राज्यस्याङ्गानि सन्ति ।

राज्य के अंग हैं ।

The अंगs of राज्य are ______ ।

(A) नव ।

(B) दश ।

(C) सप्त ।

(D) एकादश ।

60. दत्तकमीमांसाकर्ताऽस्ति ।

दत्तकमीमांसा के कर्ता हैं ।

The author of दत्तकमीमांसा is _______ ।

(A) शूलपाणि: ।

(B) नन्दपण्डित: ।

(C) कमलाकर: ।

(D) नीलकण्ठभट्ट: ।

61. 'काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारक:' इति काव्यप्रयोजनमस्ति ।

'काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारक:' - यह काव्य प्रयोजन है ।

'काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारक:' this काव्य प्रयोजन is said _______ ।

(A) भामहस्य ।

(B) मम्मटस्य ।

(C) कुन्तकस्य ।

(D) वामनस्य ।

62. अतादृशि_______ व्यङ्गये तु मध्यमम् भवति

अतादृशि _______ व्यङ्गये तु मध्यमम् - यह होता है –

अतादृशि ________ व्यङ्गये तु मध्यमम् - becomes –

(A) द्विगुणितव्यङ्गयम् ।

(B) गुणीभूतव्यङ्गयम् ।

(C) अगुणीभूतव्यङ्गयम् ।

(D) न गुणीभूतव्यङ्गयम् ।

63. प्रतीयमानस्य प्राधान्यं भवति तत्काव्यम् –

प्रतीयमानार्थ का प्राधान्य होता है, वह काव्य है ।

The Kāvya where प्रतीयमानार्थ is predominant is _______ ।

(A) मध्यमम् ।

(B) अधमम् ।

(C) अव्यङ्गयम् ।

(D) ध्वनिकाव्यम् ।

64. ब्रह्मचारी भवति ।

ब्रह्मचारी होता है ।

The ब्रह्मचारी is ______ ।

(A) त्रिविध: ।

(B) द्विविध: ।

(C) पञ्चविध: ।

(D) चतुर्विध: ।

65. विदुरनीतिरस्ति ।

विदुरनीति है _______ ।

विदुरनीति is _______ ।

(A) रामायणे ।

(B) हरिवंशपुराणे ।

(C) महाभारते ।

(D) पद्मपुराणे ।

66. महाभारते पर्वाणी सन्ति ।

महाभारत में पर्व हैं ।

The पर्वs in the महाभारत are

(A) अष्टादश ।

(B) त्रयोदश ।

(C) द्वादश ।

(D) चतुर्दश ।

67. अयमागम: शैवागमेषु नान्तर्गत: ।

शैवागमों में अन्तर्गत नहीं है ।

The आगम not coming under शैवागमs is –

(A) वैखानसागम: ।

(B) कारणागम: ।

(C) अभेदागम: ।

(D) पाशुपतागम: ।

68. "पाशबद्धो भवेज्जीव:" – वाक्यस्यास्य उद्धारग्रन्थाऽस्ति ।

"पाशबद्धो भवेज्जीव:" – इस वाक्य का उद्धारग्रन्थ है ।

"पाशबद्धो भवेज्जीव:" – this statement occurs in _______ ।

(A) तत्त्वसार: ।

(B) क्रियासार: ।

(C) अभेदागम: ।

(D) पाशुपतागम: ।

69. शिल्पविद्या प्रस्तुता ______ ।

शिल्पविद्या की प्रस्तुति _______ है ।

शिल्पविद्या is elucidated in _______ ।

(A) वैखानसागमे ।

(B) जयसंहितायाम् ।

(C) पाशुपतागमे ।

(D) अभेदागमे ।

70. स्वयं ज्योतिर्भवति ।

स्वयं ज्योति: होती है ।

स्वयं ज्योति: is –

(A) जगत् ।

(B) मिथ्या ।

(C) ब्रह्म ।

(D) अध्यास: ।

71. जगत: कारणं भवति ।

जगत् का कारण होता है ।

The cause of जगत् is –

(A) माया ।

(B) प्रधानम् ।

(C) बुद्धि: ।

(D) अन्त:करणम् ।

72. ब्रह्मावाप्तिर्भवति ।

ब्रह्मावाप्ति होती है ।

ब्रह्मावाप्ति is –

(A) समाप्ति: ।

(B) मरणम् ।

(C) मोक्ष: ।

(D) जननम् ।

73. पञ्चमहापातकेष्वन्तर्भवति ।

पञ्चमहापातकों में अन्तर्भाव होता है ।

_______ is considered as one among the पञ्चमहापातकऽ ।

(A) संकरीकरणम् ।

(B) संसर्ग: ।

(C) जातिभ्रंशकरम् ।

(D) रजतहरणम् ।

74. अष्टका: भवन्ति ।

अष्टका होती हैं ।

अष्टकाऽ are –

(A) तिस्र: ।

(B) चतस्र: ।

(C) नव ।

(D) दश ।

75. दायभेदोऽस्ति

दायभेद होते हैं ।

Number of divisions of दाय is

(A) त्रिविध:

(B) द्विविध: ।

(C) चतुर्विध: ।

(D) पञ्चविध: ।

Space For Rough Work